जांच कर रहे हैं/उन पर विचार कर रहे हैं:---

1. फ्रांसीसी सरकार की सहायता से उड़ीसा में अल्मीनियम काम्पलेक्स की स्थापना/फ्रांसीसी सरकार ने भारत सरकार को व्यापक वित्तीय सुविधाएं देने की पेशकश की है। खान विभाग/आर्थिक विभाग उसकी प्रतीक्षा कर रहे हैं ।

2. फ्रांस की सहायता से नन्दीरा और गीडी-ए खानों के विकास के लिए फ्रांस ने विशिष्ट प्रस्ताव की पेशकश की है। कोल इंडिया लमटेड और कोयला वभाग उस प्रस्ताव पर वचार कर रहे हैं जसमें विस्तृत सम्भाव्यता रिपोर्टों का तैयार किया जाना और परियोजना के लिए वित्तीय सुविधाओं को अन्तिम रूप दिया जाना शामिल है ।

3. कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में, जिसमें राजस्थान नहर, बुन्देलखंड, केरल के बांये किनारे से संबंधित एकीकृत विकास परियोजनाएं शामिल हैं, सहयोग के लिए फ्रांस के प्रस्ताव पर कृषि मंत्रालय फ्रांस की ओर आगे प्रतिक्रिया के बारे में प्रतीक्षा कर रहा है।

4. फ्रांस ने इलैक्ट्रोनिक स्पिचिंग के क्षेत्र में सहयोग के प्रस्तावों की पेशकश की और हाल ही में उसने 5,00,000 लाइनों के कारखाने की स्थापना के लिए एक प्रस्ताव की पेशकश की है। संचार मंत्रालय उन पर विचार कर रहा है।

5. टलीटैक्स सिस्टम एन्टीओप के और भारतीय टी. वी. व्यवस्था को रंगीन बनाने की सम्भाव्यता के लिए एस. ई. सी. ए. एम. प्रणाली के भारत में प्रदर्शन के लिए फ्रांस के प्रस्ताव पर सूचना और प्रसारण मंत्रालय विचार कर रहा है।

6. फ्रांस ने बल्ब टाइप जल विद्युत एककों के क्षेत्र सहयोग का प्रस्ताव किया हाल ही में ज्वार बिजली उत्पादन के क्षेत्र में फ्रांस को सहायता को सहयोग के एक सम्भाव्य क्षेत्र के रूप में अभिज्ञात किया गया है।

7. नवीकरण योग्य उर्जा के क्षेत्र में खास तौर से सौ पम्प टर्बाइनों जैसे उपस्कर के तथा सौर तापीय प्रयोग के लिए सहायक उपस्करों के आदान प्रदान के संबंध में फ्रांस के प्रस्ताव के संदर्भ में विचार विमर्श हुआ है।

8. भारी उद्योग विभाग को फ्रांस से मोटर गाड़ियों के क्षेत्र में सहयोग के लिए कुछ प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं इसका पुनरीक्षणा उस विभाग द्वारा किया जाएगा। हाल ही में मैसर्ज महेन्द्रा एण्ड महेन्द्रा की जीपों में लगाए जाने के लिए डीजल इंजनों के उत्पादन के लिए उस फर्म को फ्रांस के मैसर्ज पिगाट के साथ सहयोग करने की अनुमति दी गई है।

भारत और बुल्गारिया के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग का विकास

775. **श्री नन्द किशोर शर्मा:** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या उनके तथा बुल्गारिया के मंत्री के बीच हाल ही की बातचीत में भारत और बुल्गारिया के बीच दीर्घावधि आधार पर व्यापार तथा आर्थिक सहयोग के विकास के सम्बन्ध में बातचीत की गई थी; और

(ख) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी मुख्य बातें क्या हैं?

वाणिज्य तथा इस्पात और खान मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी): (क) तथा (ख). 22 अप्रैल, 1980 को बुल्गारिया विदेश व्यापार के प्रथम उप मंत्री से दीर्घावधि आधार पर भारत-बुल्गारिया व्यापार तथा वाणिज्यिक सम्बन्धों के विस्तार तथा विविधीकरण के बारे में सामान्य बातचीत की। उन्होंने, विशेषरूप से भारत अर्थ मूवर्स द्वारा उत्पादित अर्थ मूविंग उपस्कर तथा भारत से लोह अयस्क की पर्याप्त मात्रा में खरीदारी करने में अपने देश की तीव्र रूचि दर्शाई। यह बात भी उनके ध्यान में लाई गई कि चूंकि भारत ने एक व्यापक औद्योगिक आधार विकसित कर लिया है इसलिए यह बुल्गारिया को मशीनी औजार, मेटल वर्किंग मशीनें, इलैक्ट्रानिक संघटक तथा उपस्कर और अन्य विभिन्न इंजीनियरी मदों जैसे जटिल उत्पाद भी सप्लाई कर सकता है।